भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.133
बुधवार, 7 दिसम्बर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

वर्षा का बदलता स्वरूप

†**133. श्री जगदम्बिका पाल :**

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के विभिन्न भागों में वर्षा के पैटर्न में बदलाव आया है, जिसमें कुछ भागों में भारी वर्षा हो रही है और कुछ भागों में कम वर्षा हो रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या मौसम विभाग ने हाल ही में मानसून के मौसम में वर्षा में अत्यधिक विविधता के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों के माध्यम से कोई सर्वेक्षण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) वर्षा के स्वरूप में ऐसे परिवर्तनों को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)- (ग) जी, हाँ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून मौसम जून से सितंबर के दौरान हाल के 30 वर्षों (1989-2018) के IMD के प्रेक्षण डेटा के आधार पर राज्य और जिला स्तरों पर 29 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में मानसून वर्षा की परिवर्तनशीलता और परिवर्तनों का विश्लेषण किया और 30 मार्च 2020 को एक रिपोर्ट जारी की। प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र के लिए वर्षा की परिवर्तनशीलता और इसकी प्रवृत्ति पर रिपोर्ट IMD की वेबसाइट (https://mausam.imd.gov.in/) पर "प्रकाशन" के तहत और आईएमडी, पुणे की वेबसाइट; http://www. imdpune. gov.in / hydrology / rainfall % 20variability%20page/rainfall%20trend.html पर उपलब्ध है।

रिपोर्ट की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं;

- हाल के 30 वर्षों की अवधि (1989-2018) के दौरान पांच राज्यों अर्थात उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मेघालय और नागालैंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा में काफी कमी की प्रवृत्ति देखी गई है।

- अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्यों के साथ-साथ इन पांच राज्यों में वार्षिक वर्षा में भी काफी घटती प्रवृत्ति देखी गई है।

- अन्य राज्यों में इसी अवधि के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून वर्षा में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया है।

- जिलेवार वर्षा को ध्यान में रखते हुए, देश में कई जिले हैं, जहां हाल के 30 वर्षों की अवधि (1989-2018) के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून और वार्षिक वर्षा में कई बदलाव देखे गए हैं। भारी बारिश के दिनों की आवृति के संबंध में, सौराष्ट्र और कच्छ, राजस्थान के दक्षिणपूर्वी हिस्सों, तमिलनाडु के उत्तरी हिस्सों, आंध्र प्रदेश के उत्तरी हिस्सों और दक्षिण पश्चिम ओडिशा के आसपास के क्षेत्रों, छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों, दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मणिपुर और मिजोरम, कोंकण और गोवा और उत्तराखंड में काफी वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है।

(घ) भारत मौसम विज्ञान विभाग के पास एक प्रभावी पूर्वानुमान और प्रसार तंत्र है जिसके माध्यम से तैयारियों के लिए पूरे देश में आवश्यक चेतावनी और परामर्श पहले से ही जारी कर दिए जाते हैं। इसके प्रभावी उपयोग और योजना के लिए वर्षा पैटर्न में बदलाव की जानकारी अन्य हितधारकों के साथ भी साझा की जाती है।

*****